15

हिन्दी की बयार

क्या आप जानते हैं...

हिन्दी भाषी लोग विश्व के अधिकांश देशों में निवास करते हैं! अब हिन्दी उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा बन चुकी है। वहाँ पर कई सांस्कृतिक और भाषायी संगठन भी हिन्दी शिक्षण-प्रशिक्षण के कार्यक्रम चलाते हैं। हिन्दी भारत की राजभाषा है विदेशियों के हिन्दी ज्ञान की परख के लिए परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं। उनमें सफल रहे शिक्षार्थियों को भारत-भ्रमण के लिए आमन्त्रित और सम्मानित किया जाता है।

इस पाठ में यूरोपीय देशों से हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता 2008 में चयनित सफल विद्यार्थियों के दस दिवसीय भारत भ्रमण का आँखों देखा विवरण प्रस्तुत किया गया है। विद्यार्थियों ने कई शहरों और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया एवं प्रमुख लोगों से मुलाकात की। इसके बाद भारतीय सांस्कृतिक परिषद् द्वारा आयोजित समारोह में मंचासीन विद्वानों ने उन्हें पुरस्कृत और सम्मानित किया।

डायरी

11 अगस्त, 2008

विश्व के कई देशों में प्रतिवर्ष हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता के सभी विजेता भारत-भ्रमण के लिए आते हैं। 2008 के विजेता विदेशी विद्यार्थियों में से क्रोशिया, रोमानिया, ब्रिटेन और रूस आदि देशों के 11 विद्यार्थी एवं एक शिक्षिका भारत-भ्रमण के लिए आए। इस कार्यक्रम का श्रीगणेश नोएडा स्थित हिन्दी सॉफ्टवेयर कम्पनी सी-डेक के दौरे से हुआ। यहाँ विद्यार्थियों ने हिन्दी के अनेक सॉफ्टवेयर; जैसे—यूनिकोड, लीला एवं श्रुतलेखन आदि में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

विद्यार्थियों के दल किन-किन देशों से थे?

भ्रमण की शुरुआत किस प्रकार हुई?

12 अगस्त, 2008

यह दल तीन गाड़ियों में सवार होकर ताजनगरी आगरा के दीदार करने निकला। रास्तेभर कभी तेज बौछारें तो कभी रिमझिम-रिमझिम वर्षा होती रही। ताजमहल को देखने की उत्कण्ठा और बलवती होती जा रही थी। इस भव्य इमारत को इतने करीब से देखकर विद्यार्थियों का दल आश्चर्यचकित हो गया।

शाम को आगरा विश्वविद्यालय में आयोजित कवि-सम्मेलन में पहुँचे। यहाँ भारतीय परम्परा के अनुसार रोली-चावल के तिलक और पुष्पगुच्छ से इनका स्वागत किया गया। फिर कवियों की महफिल ऐसी सजी कि विद्यार्थी भावविभोर हो उठे।

13 अगस्त, 2008

दोपहर तक आगरा की कुंज गलियों और आधुनिक बाजारों में शॉपिंग का आनन्द लिया और फिर सिकन्दरा देखने के लिए आगे बढ़ गए। यह भवन भी अद्भुत अतीत की जीवन्त मिसाल है। प्रवेश द्वार से मुख्य मकबरे तक दोनों ओर बने बगीचों में आज भी सभी पशु-पक्षी; जैसे—हिरण, मोर आदि को एकसाथ विचरण करते देखना एक सुखद अनुभूति रही।

2022.12.21 11:18

सिकन्दरा के मकबरे के भीतर विद्यार्थियों को क्या करना बहुत अच्छा लगा?

मुख्य मकबरे में खड़े होकर प्रतिध्वनि करना विद्यार्थियों को बहुत अच्छा लगा। फिर एक लम्बी यात्रा के बाद देर रात दिल्ली वापस आ गए।

14 अगस्त, 2008

राष्ट्रीय संग्रहालय कहाँ स्थित है?

सबसे पहले जनपथ स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय देखा जहाँ पर भारत के समृद्ध अतीत की उत्कृष्ट कलाकृतियाँ, मूर्तियाँ और अन्य विविध आयामी अवशेषों को देखकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। फिर ललित कला अकादमी में प्रख्यात साहित्यकार अशोक वाजपेयी जी से दो घण्टे तक भाषा, भारतीय संस्कृति, यूरोप और भारत के बीच रिश्तों का इतिहास और भावी सम्भावनाओं जैसे विषयों के तमाम पहलुओं पर विचार-विनिमय हुआ।

साहित्यकार अशोक वाजपेयी ने छात्रों से किन-किन विषयों पर बात की?

15 अगस्त, 2008

पौ फटते ही हरिद्वार की लम्बी यात्रा पर जाना था। नियत समय पर छः बजे हरिद्वार की ओर प्रस्थान किया। तनिक विश्राम के बाद ऋषिकेश के लिए रवाना हो गए। रामझूला पार कर पतित-पावनी गंगा के उस पार संगीतमय गंगा आरती में शामिल हुए।

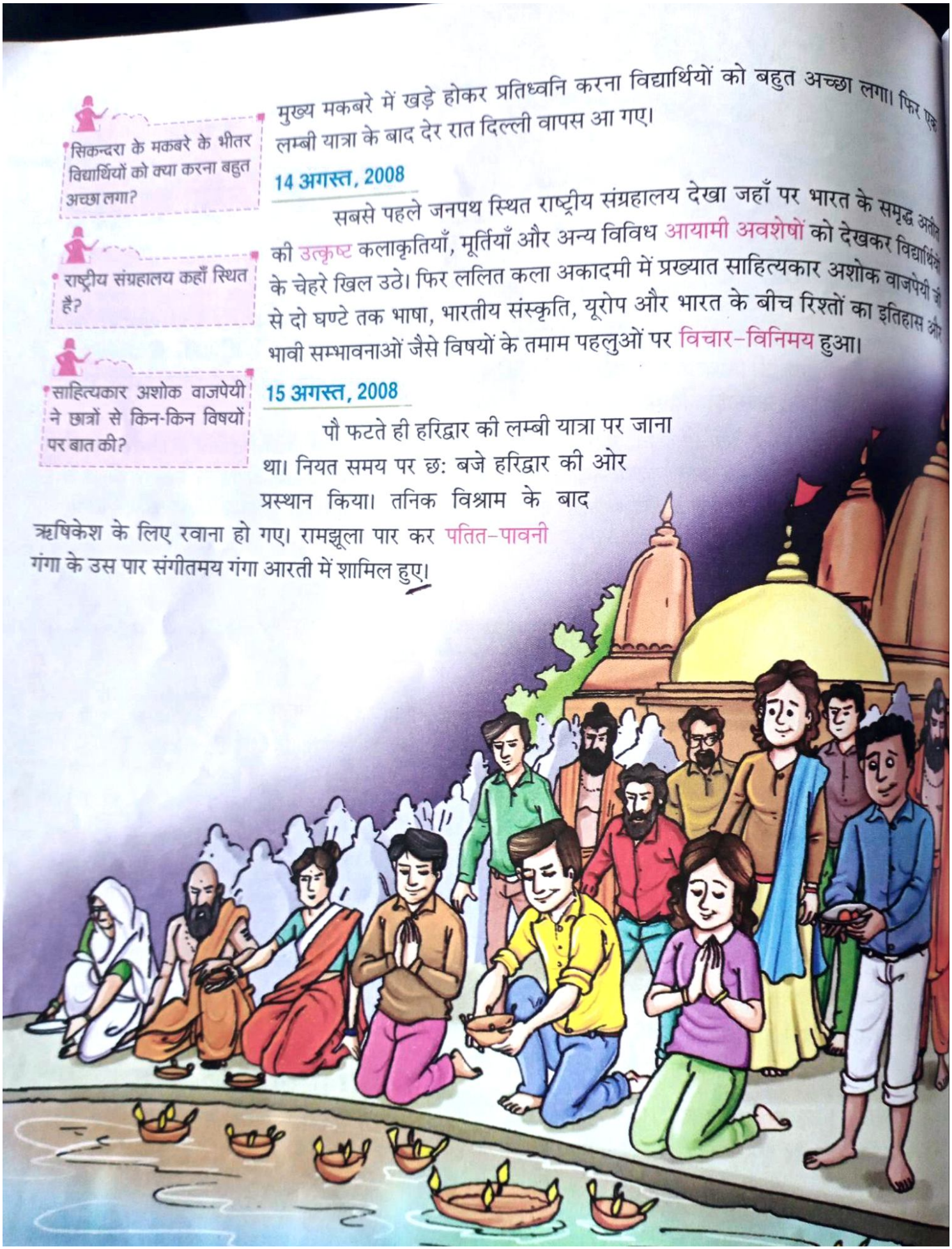

16 अगस्त, 2008

देहरादून के लिए प्रस्थान किया। उत्तराखण्ड के राज्यपाल के आवास पर परम्परागत रूप से विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। महामहिम ने विद्यार्थियों के भ्रमण का औचित्य जान लेने के बाद स्वयं भी एक कविता सुनाई। कविता सुनकर उपस्थित गणमान्य समुदाय गद्‌गद हो उठा। दो दिन की सघन यात्रा के बाद आधी रात दिल्ली पहुँचे। सुबह छः बजे शताब्दी एक्सप्रेस से लखनऊ रवाना होना था।

17 अगस्त, 2008

लखनऊ पहुँचकर भोजनोपरान्त तहजीब और अदब की नगरी के दीदार करने निकल पड़े।

18 अगस्त, 2008

छोटा और बड़ा इमामबाड़ा देखा, जिसका जर्जर बाह्य एवं प्रान्तर भाग उसके समृद्ध अतीत की गाथा-सी कहता प्रतीत होता है। नमाज अदा करने के लिए बना विशाल परिसर, भित्तियों पर पच्चीकारी, चित्रकारी और पत्थरों पर नक्काशी आज भी देखते ही बनती है।

19 अगस्त, 2008

सुबह दिल्ली पहुँचकर कुछ समय होटल में विश्राम कर विदेशी विद्यार्थियों का यह दल भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के अध्यक्ष एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकारों के साथ व्यापक विचार-विनिमय में शामिल हुआ। इसके बाद परिषद् द्वारा आयोजित विशेष भोज में शामिल होकर सभी ने हिन्दी भवन की ओर प्रस्थान किया जहाँ इन विद्यार्थियों का सम्मान समारोह होना तय था। इस समारोह में सूरीनाम के राजदूत महामहिम श्री के० बद्रीनाथ मुख्य अतिथि थे। विद्यार्थियों को मंचासीन मुख्य अतिथि सहित विद्वानों ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विदेशी विद्यार्थियों के साथ-साथ भारत के मेधावी छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया।

विद्यार्थियों के सम्मान समारोह हेतु किस स्थान को चुना गया था?

इस प्रकार हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता 2008 में चयनित यूरोप से आए हिन्दी के विद्यार्थियों के भारत-भ्रमण का यह 10 दिवसीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

— *राजवीर शर्मा*

शब्द-अर्थ

बयार = हवा; श्रीगणेश = काम की शुरुआत (beginning); श्रुतलेखन = एक सॉफ्टवेयर जो हिन्दी में बोली गई ध्वनि को लिखित रूप में बदलता है (a software); उत्कण्ठा = कुछ जानने की तीव्र इच्छा, उत्सुकता ; बलवती = बढ़ती, दृढ़, मजबूत (strong); भव्य = शानदार, सुन्दर, बड़ी (grand); पुष्पगुच्छ = फूलों का गुच्छा; भावविभोर = आनन्दित, प्रसन्न (ecstatic); कुंज = लता-झाड़ियों से ढका रास्ता (grove); जीवन्त = जीती-जागती (live); अनुभूति = संवेदना, अहसास (feeling); उत्कृष्ट = बहुत बढ़िया; आयामी = विस्तार, फैलाव (dimensional); अवशेष = किसी वस्तु आदि का बचा-खुचा हिस्सा (remains); विचार-विनिमय = विचारों का आदान-प्रदान (exchange of ideas); पतित-पावनी = पापियों को पवित्र करने वाली (which purifies sinners); औचित्य = उचित होना, मुनासिब होना (purpose, reason); सघन = लम्बी (long); भोजनोपरान्त = भोजन के बाद (after meal); तहजीब = शिष्टाचार (mannerism); अदब = बड़ों का सम्मान; जर्जर = टूटा-फूटा; पच्चीकारी = एक रंग के पत्थर पर दूसरे रंग के पत्थर को जड़ने का काम (mosaic); ख्यातिलब्ध = बहुत शोहरतवाला, प्रसिद्ध (renowned)

मुहावरे

खिल उठना = प्रसन्न होना; **पौ फटना** = सुबह होना; **गद्‌गद होना** = अत्यधिक प्रसन्न होना।

आओ, अभ्यास करें
Let's Do Exercise

पठन एवं लेखन अभिव्यक्ति

आपकी कलम से — Questions relating Text

श्रुतलेखन/Dictation

1. निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करते हुए पुनः लिखिए–

समृद्ध	विचरण	संग्रहालय	प्रख्यात	संस्कृति
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
विश्राम	नक्काशी	गणमान्य	पुरस्कृत	कार्यक्रम
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) स्वागत का पारम्परिक भारतीय तरीका क्या है?

(ख) सिकन्दरा की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) ताजमहल को देखकर दल की क्या प्रतिक्रिया रही?

(घ) लखनऊ को तहजीब और अदब की नगरी क्यों कहा जाता है?

(ङ) विद्यार्थियों की हरिद्वार–देहरादून यात्रा का संक्षिप्त वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। HOTS

(च) आपके विचार से हिन्दी–दिवस मनाने का औचित्य क्या है? HOTS

(छ) आज हमारे समाज में हिन्दी भाषा की क्या स्थिति है? अपने विचार लिखिए। HOTS

पाठ्यांश से — Questions relating Paragraph

3. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(I) दल तीन गाड़ियों में सवार होकर ताजनगरी आगरा के दीदार करने निकला। रास्तेभर कभी तेज बौछारें तो कभी रिमझिम-रिमझिम वर्षा होती रही। ताजमहल को देखने की उत्कण्ठा और बलवती होती जा रही थी। इस भव्य इमारत को इतने करीब से देखकर विद्यार्थियों का दल आश्चर्यचकित हो गया।

शाम को आगरा विश्वविद्यालय में आयोजित कवि-सम्मेलन में पहुँचे। यहाँ भारतीय परम्परा के अनुसार रोली, चावल के तिलक और पुष्पगुच्छ से इनका स्वागत किया गया। फिर कवियों की महफिल ऐसी सजी कि विद्यार्थी भावविभोर हो उठे।

(क) आगरा विश्वविद्यालय में आयोजित कवि–सम्मेलन में विद्यार्थियों का स्वागत किस प्रकार किया गया?

(ख) ताजमहल को करीब से देखकर विद्यार्थियों का दल आश्चर्यचकित हो गया। सही/गलत

(ग) दल तीन गाड़ियों में सवार होकर ..... आगरा के दीदार करने निकला।

(घ) निम्नलिखित शब्दों में सन्धि कीजिए—

(i) विद्या + आलय = ... (ii) विद्या + अर्थी = ...

(II) सुबह दिल्ली पहुँचकर कुछ समय होटल में विश्राम कर विदेशी विद्यार्थियों का यह दल भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के अध्यक्ष एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकारों के साथ व्यापक विचार-विनिमय में शामिल हुआ। इसके बाद परिषद् द्वारा आयोजित विशेष भोज में शामिल होकर सभी ने हिन्दी भवन की ओर प्रस्थान किया जहाँ इन विद्यार्थियों का सम्मान समारोह होना तय था। इस समारोह में सूरीनाम के राजदूत महामहिम श्री के० बद्रीनाथ मुख्य अतिथि थे। विद्यार्थियों को मंचासीन मुख्य अतिथि सहित विद्वानों ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विदेशी विद्यार्थियों के साथ-साथ भारत के मेधावी छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया।

(क) विदेशी विद्यार्थियों का दल व्यापक विचार-विनिमय में किनके साथ शामिल हुआ?

(ख) इस समारोह में वियतनाम के राजदूत महामहिम श्री के०बद्रीनाथ मुख्य अतिथि थे। सही/गलत

(ग) विदेशी विद्यार्थियों के साथ-साथ ..... के मेधावी छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए—

(i) जिसके आने की तिथि निश्चित न हो .....

(ii) विदेश में रहने वाला .....

भाषा और व्याकरण से Language & Grammar

हमने सीखा

क्रियाविशेषण, 'र' के रूप, वर्तनी।

हम सीखेंगे

सन्धि-विच्छेद, विराम-चिह्न।